CLASS: 3
SUBJECT : HINDI)
CHAPTER NAME&NO) पाठ 13 शरारती मेहुल
SUB –TOPIC- प्रस्तावना, आदर्श पठन, नए तथा कठिन शब्दों का उच्चारण

13 शरारती मेहुल

चिंतन-मनन

हमारी दिनचर्या को आसान बनाने के लिए आजकल हम बहुत सारे यंत्रों का उपयोग करते हैं। लेकिन उनके दुरुपयोग से हमें बचना चाहिए।

सूत्रधार — मेहुल बहुत शरारती लड़का है। उसे हर समय शरारत सूझती है। आप **स्वयं** ही देख लीजिए।

(एक आदमी जा रहा है और मेहुल एक 100 रुपये का नोट धागे से बाँधकर खिड़की से लटकाता है।)

आदमी — अरे वाह! सौ रुपये!

(मेहुल धीरे-धीरे धागे को खींच लेता है और आदमी नोट को पकड़ने के चक्कर में उसके पीछे-पीछे जाता है, तो मेहुल ज़ोर से हँसता है और आदमी झेंप जाता है।)

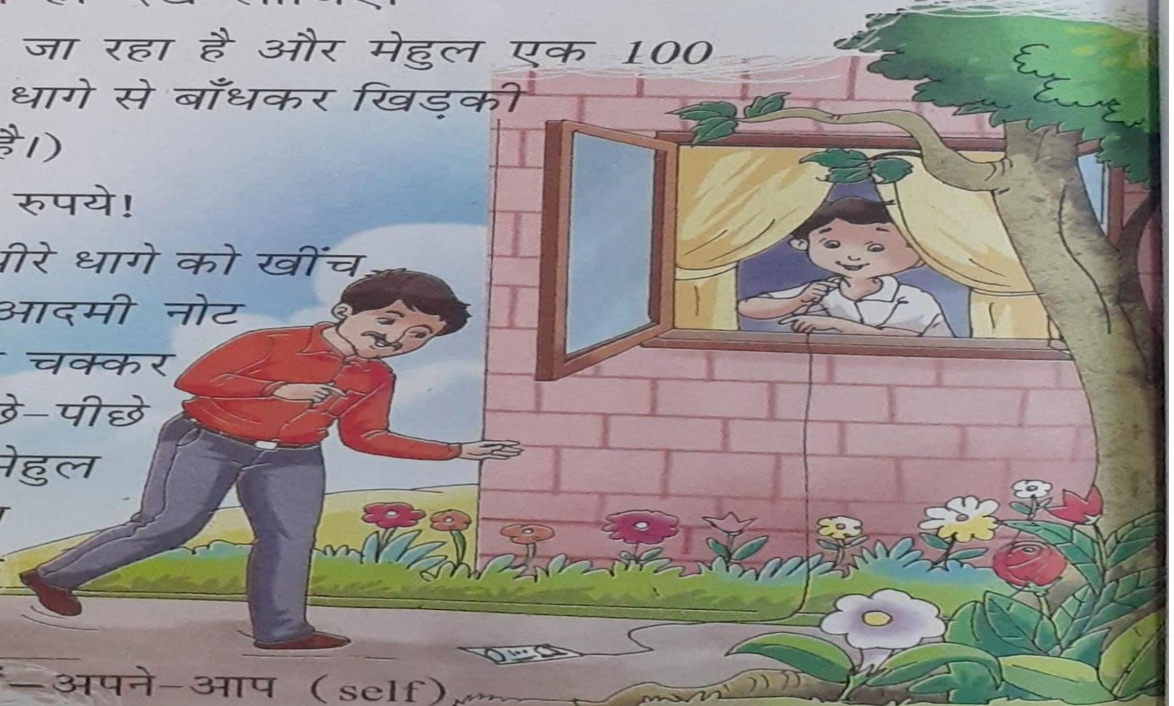

शब्दार्थ—स्वयं—अपने-आप (self)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

(*तभी घर में टेलीफ़ोन की घंटी बजती है।*)

मेहुल — अरे वाह! नए फ़ोन पर पहली कॉल। हैलो! आप कौन बोल रहे हैं? किससे बात करनी है?

मि० राकेश — बेटे! क्या पापा घर पर हैं?

मेहुल — नहीं अंकल, वे तो ऑफ़िस गए हैं। कोई मैसेज़ हो तो दे दीजिए।

मि० राकेश — नहीं बेटा, मैं ऑफ़िस में ही फ़ोन कर लेता हूँ।

दादी माँ — मेहुल, किसका फ़ोन था?

मेहुल — पापा के लिए था।

(*मेहुल अपने–आप से बातें करता हुआ।*)

अरे! मुझे पहले क्यों नहीं सूझा? फ़ोन करके लोगों को परेशान किया जाए और अपना टाइम पास किया जाए। नए फ़ोन पर नई–नई बात की जाए।

(*मेहुल अपनी कक्षा की सोनाली के घर का नंबर मिलाता है। वह बहुत डरपोक है।*)

सोनाली — हैलो! मैं सोनाली।

मेहुल — मैं दोनाली। (सोनाली हँसती है।)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

खबरदार जो हँसी (डरावनी आवाज़ में)! सारे दाँत निकाल दूँगा।

सोनाली — मम्मी! मम्मी! (डरकर रिसीवर रखती है।)

सूत्रधार — अरे! यह क्या? अब मेहुल ने तो पुलिस स्टेशन का नंबर मिला दिया। ओह! अब यह क्या करने वाला है?

मेहुल — (घबराए हुए स्वर में) अंकल! अंकल! जल्दी आ जाइए। हमारे घर में लुटेरे घुस आए हैं।

इंस्पेक्टर — कहाँ से बोल रहे हो बेटे?

मेहुल — मैं सेठ जीवन राम का पोता बोल रहा हूँ, आप जल्दी आइए।

इंस्पेक्टर — तुम घबराओ नहीं बेटे, हम अभी पहुँचते हैं।
(पुलिस जीवन राम के घर पहुँचती है।)

इंस्पेक्टर — हमें फ़ोन पर सूचना मिली है कि आपके घर में लुटेरे घुस आए हैं।

जीवन राम — नहीं तो, किसने सूचना दी आपको?

इंस्पेक्टर — आपके पोते ने।

जीवन राम — मगर वह तो अपने कमरे में सो रहा है। किसी और ने फ़ोन किया होगा।

इंस्पेक्टर — हमें माफ़ कीजिए। पता नहीं किसने हमारे साथ यह भद्दा मज़ाक किया है?

सूत्रधार — उधर मेहुल के घर के दरवाज़े की घंटी बजती है। दादी देखती है कि वह पापा के दफ़्तर का चपरासी था।

चपरासी — साहब सीढ़ियों से गिर गए हैं और उन्हें चोट आई है। वे अस्पताल में हैं। वे बहुत देर से घर पर फ़ोन करने की कोशिश कर रहे थे, परंतु आपका फ़ोन इंगेज ही मिल रहा था।

(तभी मेहुल वहाँ आ जाता है।)

मेहुल — ओह! यह क्या हो गया?

(दादा, दादी और मेहुल चपरासी के साथ जैसे ही चलने लगते हैं, वैसे ही पुलिसवाले आ जाते हैं।)

पुलिस — मिस्टर परमार का घर यही है?

दादी — जी हाँ।

शब्दार्थ—भद्दा—खराब (awful)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पुलिस — आपको हमारे साथ पुलिस स्टेशन चलना होगा। किसी बच्चे ने आपके फ़ोन से हमें गलत सूचना दी थी। जिसकी वजह से हमें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा है।

(मेहुल की तरफ़ इशारा करता है) यह आपका पोता है? (मेहुल से) "तुम्हारा नाम क्या है?"

मेहुल — मेहुल परमार।

दादा-दादी — हमारा बेटा अस्पताल में है। हम तो वैसे ही बहुत परेशान हैं।

इंस्पेक्टर — चलिए, हम भी आपके साथ अस्पताल चलते हैं।

(मेहुल के पापा के पैर में प्लास्टर बँधा था। मेहुल के बारे में सारी बात जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ।)

पापा — इंस्पेटर साहब, मैं अपने बेटे की गलती पर बहुत शर्मिंदा हूँ।

शब्दार्थ—**शर्मिंदा**—लजाना (ashamed)

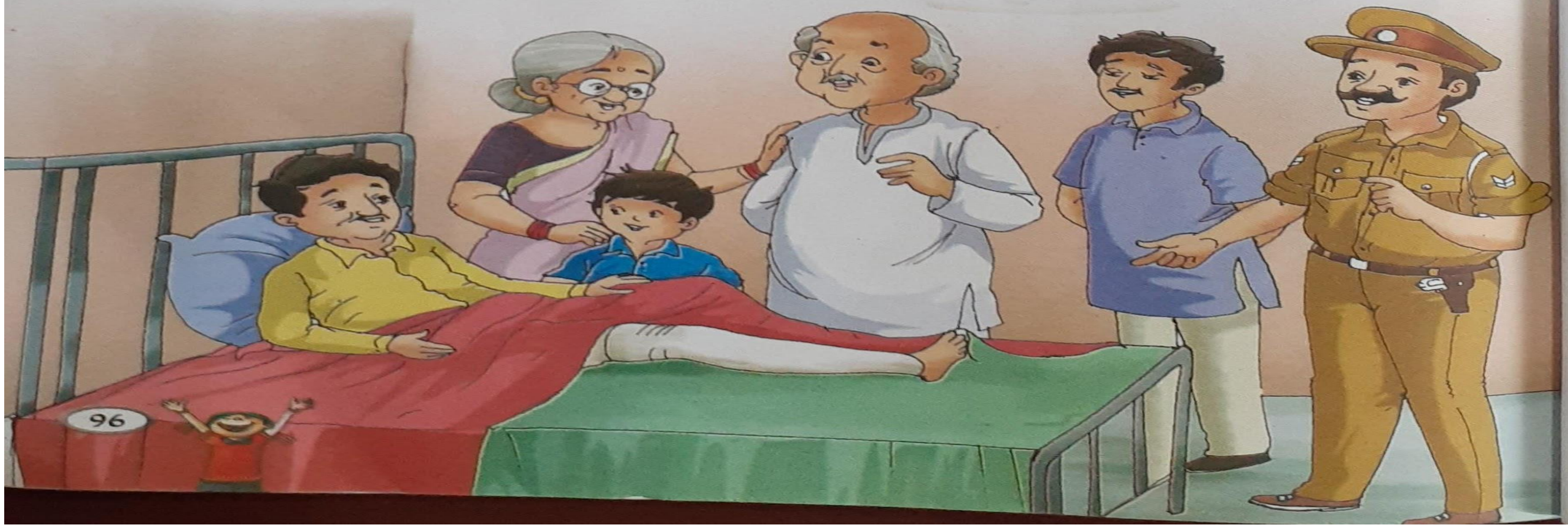

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मेहुल — (मेहुल रोते हुए) पापा मुझे माफ़ कर दीजिए। मुझसे गलती हो गई।

पापा — बेटे, फ़ोन ज़रूरी बातों के लिए होता है। शरारत करने के लिए या किसी को तंग करने के लिए नहीं। देखो, मेरे आफ़िस वालों को ज़रूरी संदेश देना था, लेकिन फ़ोन बिज़ी होने के कारण नहीं दे पाए।

मेहुल — (दादी से लिपटते हुए) अब मैं बिलकुल शरारत नहीं करूँगा।

सूत्रधार — बच्चो, आपने देखा, मेहुल की शरारतों से कितने लोगों को परेशानी हुई। जिस सुविधा के लिए टेलीफ़ोन लगवाया गया था, समय पड़ने पर वह काम न आया। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप भी टेलीफ़ोन पर व्यर्थ बातें नहीं करेंगे।

जीवन-सूत्र

- ज़िंदगी में छोटी-छोटी बातों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है और उनसे बहुत प्रसन्नता भी मिलती है।

—रसेल कानवेल

शब्दार्थ—सुविधा—आराम (comfort), **व्यर्थ**—बेकार (useless)

नए शब्द

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

टेलीफोन

ऑफिस

मैनेजर

दफ्तर

अस्पताल

प्लास्टर

इंस्पेक्टर

संदेश

स्टेशन

शर्मिंदा

शरारती

सुविधा

गृह कार्य

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हम किस किस माध्यम से संदेश भेज सकते हैं कोई पांच चीजों के चित्र बनाकर उनके नाम लिखे कक्षा कार्य कॉपी में

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अध्ययन के परिणाम

- पठन कौशल का विकास अच्छे से हो पाना
- शुद्ध् उच्चारण की जानकारी पाना
- नए पाठ से परिचत होना

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP